हरेला पर्व पर क्वाड्रा इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद परिसर में किया गया पौधारोपण

रुड़की बद्री विशाल। शुक्रवार को क्वाड्रा इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद, रुड़की में हरेला पर्व का कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

संस्थान के सचिव डॉ. रकम सिंह ने संस्थान में औषधि व छायादार वृक्ष लगाकर प्रकृति संरक्षण जागरूकता के लिये प्रेरित किया और कहा कि हरेला पर्व का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण और जल संरक्षण है। पर्यावरण संरक्षण से ही धरती पर जीवन संरक्षण हो सकता है। डॉ. रकम सिंह ने संस्थान के अध्यापकों, चिकित्सकों को पौधे भेंट किये और कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को हर वर्ष कम से कम दस वृक्ष लगाने का संकल्प लेना चाहिये और लगे हुए पेड़ों के संरक्षण के लिये भी जागरूक रहना चाहिये। कोविड महामारी के दौरान व्यक्ति ने ऑक्सीजन की महत्वता और आवश्यकता को देखते हुए हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाना ही होगा और पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्द्धन हेतु सदैव संकल्पबद्ध रहना होगा। क्वाड्रा संस्थान में समय-समय पर वृक्षारोपण कार्यक्रम किये जाते हैं। जिसके फलस्वरूप क्वाड्रा संस्थान प्रदूषण रहित संस्थान है। प्रधानाचार्य डॉ. प्रदीप कुमार ने कहा कि हरेला पर्व भारतीय संस्कृति को उजागर करने का पर्व है। इस अवसर पर प्रधानाचार्य ने कार्यक्रम में क्वाड्रा इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद के समस्त चिकित्सक, अध्यापकों को वृक्षों के संरक्षण की शपथ दिलाई और सभी से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का आहवान किया। कार्यक्रम में नरेन्द्र सिंह, यथार्थ तिवारी, संजय सैनी, डॉ. जितेन्द्र शर्मा, डॉ. चारू शर्मा, डॉ. कमलेश्वर प्रसाद, डॉ. रजनीकान्त, डॉ. जीके शर्मा, डॉ. सौरभ कुमार, डॉ. सौरभ कुमार चौहान, डॉ. अमित चौधरी, डॉ. रचना गुप्ता, डॉ. सरोज पाण्डे, डॉ. शैरोन प्रभाकर, डॉ. सौरभ कुमार, डॉ. विवेक ठाकुर, डॉ. योगेश कुमार सिसोदिया, डॉ. रश्मि, डॉ. एकता नैथानी, डॉ. मनप्रीत कौर, डॉ. नेहा, डॉ. सुजाता, दीपक कुमार, शुभम कुमार, अक्षय कुमार आदि मौजूद रहे।

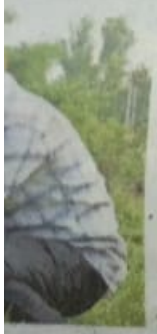

पौधारोपण करते

...चौधरी आदि मौजूद रहे।

गंगनहर किनारे स्थित बद्रीश वाटिका में महापौर गौरव गोयल ने पौधारोपण किया। इस दौरान सहारनपुर के महापौर संजीव वालिया भी मौजूद रहे। पंडित गोविंद बल्लभ पंत पर्यावरण समिति, शहीद भगत सिंह ब्रिगेड एवं नवोदय सहयोग ट्रस्ट ने संयुक्त रूप से रामनगर नई कचहरी परिसर में महापौर गौरव गोयल के साथ मिलकर संस्था की संरक्षक प्रो. स्वर्णलता मिश्रा ने पीपल का पौधा लगाया। केंद्रीय विद्यालय नंबर-एक में प्राचार्य डा. वीके त्यागी ने कहा कि हरेला पर्व हरियाली और जीवन को बचाने का संदेश देता है। इस दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को प्रमाण-पत्र देकर

...और प्रकृति के परस्पर प्रेम का प्रतीक है। कालेज की प्रबंधिका जे सिंह, डा. अनुपमा वर्मा, नीरा पाहवा, राधिका गोस्वामी, अंकिता सेठी आदि उपस्थित रहे।

मेहरबान सिंह ... रोटरी क्लब अध्यक्ष ... सरीन, वंदना मोहन, ...

क्वाड्रा इंस्टीट्यूट में हरेला पर्व के मौके पर पौधे रोपते संस्थान के पदाधिकारी • साभार संस्थान

हर्षोल्लास के साथ मनाया हरेला पर्व

रुड़की: क्वाड्रा इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद कालेज में हरेला पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर संस्थान के सचिव डा. रकम सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में औषधियं एवं छायादार पेड़, पौधों की सबसे अधिक आवश्यकता है। ऐसे पौधे लगाए जाए जो कि पर्यावरण की दृष्टि से बेहद उपयोगी हो। इसी से बिगड़ते पर्यावरण को ठीक किया जा सकता है। उन्होंने संस्थान के शिक्षक, चिकित्सक एवं अन्य कर्मियों को पौधे सौंपते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को हर वर्ष कम से कम 10-10 पौधे जरूर लगाने चाहिए। लगाए गए पौधों का संरक्षण भी करना चाहिए। साथ ही पेड़ों के संरक्षण के लिए जागरूक भी रहना चाहिए। इस अवसर पर प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार, नरेंद्र सिंह, यथार्थ तिवारी, संजय सैनी, डा. जितेन्द्र शर्मा, डा. चारू शर्मा, डा. कमलेश्वर प्रसाद, डा. रजनीकांत, डा. जीके शर्मा, डा. सौरभ कुमार, डा. सौरभ कुमार चौहान, डा. अमित चौधरी, डा. रचना गुप्ता, डा. सरोज पाण्डे मौजूद रहे।

...से आह्वान ...ने जीवन में ...पर कम से कम ...पर मुकुल ..., राजपाल ...शीष चौधरी, ...भिषेक मौजूद ...डेशन के ...और अनुराग ...गया।

बिगड़ते पर्यावरण को बचाना सबकी जिम्मेदारी

जागरण संवाददाता, रुड़की: क्लीन उत्तराखंड, ग्रीन उत्तराखंड की मुहिम के तहत मदरहुड विश्वविद्यालय में हरेला पर्व मनाया गया। इस मौके पर सभी से पालीथिन का इस्तेमाल न करने व कूड़े का वर्गीकरण करते हुए कूड़ेदान में डाले जाने की बात कही।

...म का

समादेश

निम्नलिखित प...

पद का नाम
आशुलिपिक श्रेणी-2
लिपिक
लोहार
कुक (रसोइया)
मोची (बूटमेकर)
धोबी (वासरमैन)
नाई (बारबर)
सफाईवाला
रेंज चौकीदार

नोटः-
1. पदों की ...
2. आवेदन ...
3. आयु ग...
4. आयु सी...